Roll No. ……..

BASL–302

वेद एवं उपनिषद्

कला में स्नातक (बीए 12/16) संस्कृत

तृतीय वर्ष, परीक्षा, 2017

समय **: 3** घंटा पूर्णांक **: 60**

नोट : यह प्रश्न पत्र साठ (60) अंकों का है जो तीन (03) खण्डों 'क', 'ख' तथा 'ग' में विभाजित है। शिक्षार्थियों को इन खण्डों में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में चार (04) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए पन्द्रह (15) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो की सन्दर्भ सहित हिन्दी में व्याख्या कीजिए—

(क) न जायते म्रियते वा विपश्चि-
नायं कुतश्चिन्न वभूव कश्चित्।
अजो नित्यः शाश्वतोऽयं पुराणो
न हन्यते हन्यमाने शरीरे॥

(ख) स्वर्गेलोके न भयं किंचनास्ति
न तत्र त्वं न जरया विभेति।
उभे तीर्त्वाशनायापिपासे
शोकातिगो मोदते स्वर्गलोके॥

(ग) आत्मानं रथिनं विद्धि, शरीरं रथमेव तु।
बुद्धिं तु सारथिं विद्धि, मनः प्रग्रहमेव च॥

2. विष्णुसुक्त की विषयवस्तु पर प्रकाश डालिए।
3. नचिकेता की ज्ञानपिपासा पर प्रकाश डालिए।
4. कठोपनिषद् के अनुसार कर्मफल की अनित्यता का वर्णन कीजिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए पाँच (05) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. ऋग्वेद की शाखाओं पर प्रकाश डालिए।
2. अथर्ववेद पर आधुनिक अवधारणा के सन्दर्भ में प्रकाश डालिए।
3. सामवेद का वर्ण्य विषय क्या है ? संक्षेप में लिखिए।
4. वेदाङ्ग व्याकरण के महत्त्व को प्रतिपादित कीजिए।
5. उपनिषद् के स्वरूप को बताते हुए उसके वैशिष्ट्य का प्रतिपादन कीजिए।

6. आरण्यक का अर्थ स्पष्ट कीजिए।
7. अग्नि सूक्त के महत्त्व को प्रतिपादित कीजिए।
8. सूर्य सूक्त में पठित देवता के महत्त्व को स्पष्ट कीजिए।

खण्ड–ग

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ग' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए एक (01) अंक निर्धारित है। इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

सही उत्तर चुनिये—

1. अक्षसूक्त किस वेद में वर्णित है ?
   (अ) ऋग्वेद
   (ब) यजुर्वेद
   (स) सामवेद
   (द) अथर्ववेद

2. किस वेदाङ्ग को वेद का पाद कहा गया है ?
   (अ) व्याकरण
   (ब) छन्द
   (स) निरुक्त
   (द) ज्योतिष

3. कठोपनिषद् के प्रथम अध्याय में कितनी वल्ली हैं ?
   (अ) 3
   (ब) 2
   (स) 4
   (द) 1

4. ऋग्वेदीय आरण्यक ग्रन्थ है—
   (अ) ऐतरेय
   (ब) तैत्तरीय
   (स) तवलकार
   (द) शतपथ

5. पतञ्जलि के अनुसार अथर्ववेद की शाखाएँ हैं—
   (अ) 9
   (ब) 10
   (स) 11
   (द) 1

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सत्य या असत्य लिखकर दीजिए—

6. शुक्लयजुर्वेद में 40 अध्याय हैं।
7. निरुक्त को वेद का स्रोत कहा गया है।
8. ईशोपनिषद् यजुर्वेद से सम्बन्धित नहीं है।
9. वेदों में मूलतः तीन स्वर होते हैं।
10. अथर्ववेद को भैषज्य वेद नहीं कहा गया है।